नायब सरकार पर संकट के बीच भाजपा ने बुलाई बैठक मनोहर लाल से तीन जजपा विधायकों ने की मुलाकात

पंचकूला में आयोजित होने वाली बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रहेंगे मौजूद

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच नायब सरकार का संकट बढ़ गया है। इसी बीच भाजपा ने आपात बैठक बुलाई है। पंचकूला में आयोजित होने वाली बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल मौजूद रहेंगे। यही नहीं मुख्यमंत्री के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने

जजपा की ओर से राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर फ्लोर टेस्ट की मांग की तो जजपा के तीन विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्यपाल को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। सूबे के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने दावा किया है कि उनकी सरकार को किसी तरह का खतरा नहीं है। भाजपा के पास पूरा विश्वास मत है। भाजपा सरकार को अल्पमत में देखने वालों को यह जांच लेना चाहिए कि उनके पास विधायक भी हैं या नहीं। नायब सैनी ने दावा किया कि जरूरत पड़ने पर हम लोग दोबारा से विश्वास मत हासिल करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से जजपा कोटे से टोहाना विधायक देवेंद्र बबली, बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग और नरवाना विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा ने मुलाकात की।

नड्डा करेंगे लोस चुनाव की समीक्षा

पंचकूला के पंचकमल कार्यालय बुलाई गई बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लोकसभा चुनाव की समीक्षा के साथ सूबे में चल रहे सियासी संकट पर भी मंथन करेंगे। हालांकि बैठक का मुख्य उद्देश्य लोकसभा चुनाव का आगामी रोडमैप तैयार करना है, जिसमें हरियाणा लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, लोकसभा समन्वयक व कलस्टर इंचार्ज मौजूद रहें। बैठक से पहले नड्डा भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया के समर्थन में रोड शो में हिस्सा लेंगे।

पूर्व सीएम की चुनौती स्वीकार कर दुष्यंत ने लिखा पत्र

दरअसल, पूर्व सीएम हुड्डा ने दुष्यंत चौटाला को राज्यपाल को चिट्ठी लिखने की चुनौती के साथ कहा था कि उसके बाद कांग्रेस के विधायक राज्यपाल से मिलकर नायब सैनी सरकार को बर्खास्त करने या फिर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर बहुमत साबित करने की मांग करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की चुनौती को स्वीकार करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर नायब सैनी सरकार को फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला द्वारा राज्यपाल को चिट्ठी लिखने के तुरंत बाद कांग्रेस ने अपने वादे को दोहराते हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय से मिलने का समय मांग लिया है। कांग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद ने कहा कि राज्यपाल का समय मिलने पर कांग्रेस के सभी विधायक उनसे मिले जाएंगे और भाजपा सरकार के फ्लोर टेस्ट की मांग करेंगे। अगर राज्यपाल ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें तुरंत प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए और विधानसभा चुनाव कराने चाहिएं।

भाजपा को समर्थन दे रहे निर्दलीय विधायकों के पाला बदलने से बढ़ा संकट

भाजपा सरकार को समर्थन दे रहे तीन निर्दलीय विधायकों रणधीर गोलन, धर्मपाल गोंदर और सोमवीर सांगवान के पाला बदलने तथा कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा से सरकार पर संकट की स्थिति पैदा हुई है। इन तीनों विधायकों ने राज्यपाल को भाजपा सरकार से समर्थन वापसी का पत्र भेजने का दावा किया है। लेकिन विधानसभा स्पीकर डा. ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि उन्हें न तो किसी विधायक का कोई पत्र मिला और न ही राजभवन की ओर से किसी तरह से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं। अब राज्यपाल के विवेक पर निर्भर करेगा कि वे क्या फैसला लेते हैं।

दुष्यंत ने राज्यपाल को यह लिखी चिट्ठी

दो माह पहले बनी भाजपा सरकार अल्पमत में आ गई है। उनको सपोर्ट करने वाले एक भाजपा (मनोहर लाल) और एक निर्दलीय (रणजीत चौटाला) ने इस्तीफे दे दिए हैं। तीन निर्दलीय विधायकों रणधीर गोलन, धर्मपाल गोंदर व सोमवीर सांगवान ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। अगर सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आता है तो हम खुलकर उसका समर्थन करेंगे। संविधान के अनुसार फ्लोर टेस्ट कराने की पावर राज्यपाल के पास होती है। वे सरकार को सदन में बुलाकर फ्लोर टेस्ट के आदेश दें। कांग्रेस ने अब फैसला करना है कि उसके 30 विधायक और दूसरे विपक्षी विधायक (अभय चौटाला व बलराज कुंडू) भाजपा सरकार को बदलना चाहते हैं। अगर हां तो उन्हें बदलाव के लिए कदम उठाने चाहिएं। विश्वास खो चुकी भाजपा सरकार को बदलने के लिए कांग्रेस व विपक्षी विधायक राज्यपाल को लिखकर भेजें। हमने राज्यपाल को भेजी चिट्ठी में कहा है कि 88 विधायकों वाली विधानसभा में भाजपा को 45 विधायकों का समर्थन चाहिए।

विधानसभा में यह है विधायकों की संख्या का गणित

कुल विधायक - 88

बहुमत का आंकड़ा - 45

- **भाजपा** विधायक - 40 (समर्थन 43 का प्राप्त है, जिनमें दो निर्दलीय और एक हलोपा विधायक शामिल हैं, जबकि दो विधायकों की जरूरत पड़ेगी)
- **कांग्रेस** विधायक - 30
- **जजपा** - 10 (इनमें से छह विधायक बागी हैं। चार विधायक भाजपा के और दो कांग्रेस के संपर्क में हैं)
- **हलोपा** - 1
- **इनेलो** - 1
- **निर्दलीय** - 6 (इनमें एक विधायक सरकार के साथ नहीं हैं, तीन विधायक कांग्रेस के साथ चले गए, बाकी बचे दो विधायक भाजपा के साथ हैं)

जजपा विधायक रामकुमार गौतम ने साधी चुप्पी

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रहे लोकसभा चुनावों के शोर के बीच पहली बार जजपा के वो विधायक चुप्पी साधे हुए हैं, जो पिछले साढ़े चार साल से जजपा के खिलाफ ही मुखर रहे हैं। इतना ही नहीं विधानसभा से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर सरकार की खिंचाई भी कर चुके हैं और कई बार पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की तारीफों के पुल भी बांध चुके हैं। लेकिन इस बार वह चुनावी शोर से दूर हैं। हालांकि, बताया तो ये जा रहा है कि वह कुछ दिन से अस्वस्थ चल रहे हैं, लेकिन मामला विधानसभा चुनावों में टिकट को लेकर फंसा हुआ है। भाजपा के साथ उनका प्रेम जगजाहिर है, लेकिन यहां पर पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यू दावेदार हैं। कुछ इसी प्रकार की स्थिति कांग्रेस में है, यहां पर भी पहले ही कई दावेदार बैठे हैं। ऐसे में विधायक गौतम कोई भी फैसला नहीं ले पा रहे हैं और चुनाव को तोल रहे हैं। समय आने पर ही वह अपने पत्ते खोलेंगे। रामकुमार

गौतम की पुरानी पृष्ठभूमि भाजपा की रही है और वह एक बार भाजपा से विधायक भी रह चुके हैं। पिछली बार वह कांग्रेस की टिकट के दावेदार थे, लेकिन बदले राजनीतिक परिदृश्य के चलते मजबूरी में गौतम को जजपा में जाना पड़ा और जजपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा और वह विधायक बने। खास बात ये है कि भाजपा जजपा के गठबंधन के बाद से वरिष्ठ नेता होने के बावजूद गौतम को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया, इसको लेकर गौतम ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद से जजपा नेतृत्व और गौतम के संबंधों में खटास बढ़ती गई। स्थिति इतनी खराब हो गई कि गौतम ने कई बबार विधानसभा में ही जजपा के नेता और पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला पर तीर छोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। विधायक रामकुमार गौतम ने बताया कि वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं। इसलिए फील्ड में नहीं है। स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद वह कार्यकर्ताओं के बीच होंगे। इसके बाद ही आगामी फैसला लिया जाएगा।

चुनावी दंगल में 223 प्रत्याशियों की किस्मत दांव पर, 16 ने छोड़ा मैदान

➪ कुरुक्षेत्र में सबसे ज्यादा 31 और अंबाला में सबसे कम 14 प्रत्याशी मैदान में

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। प्रदेश की 10 लोकसभा में चुनावी दंगल सज चुका है। 223 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपनी किस्मत अजाएंगे तो दंगल में उतरने से पहले ही 16 प्रत्याशियों मैदान छोड़ दिया। प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को छठे चरण में मतदान होगा। 2.41 करोड़ मतदाता 223 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। वीरवार दोपहर तक नामांकन वापस लेने का समय निर्धारित किया था, इसके बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह अलाट कर दिए। दोपहर तक 16 उपचुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों ने 14 नामांकन भरे थे, जिसमें से जांच के बाद 10 उम्मीदवारों के नामांकन सही पाए गए और एक उम्मीदवार ने

लोकसभा	प्रत्याशी-2019	प्रत्याशी-2024
अंबाला	19	14
कुरुक्षेत्र	24	31
सिरसा	20	19
हिसार	26	28
करनाल	16	19
सोनीपत	29	22
रोहतक	18	26
भिवानी-महेंद्रगढ़	21	17
गुरुग्राम	24	23
फरीदाबाद	27	24
कुल	223	223

223 प्रत्याशी ही चुनाव मैदान में थे। फिलहाल सबसे ज्यादा कुरुक्षेत्र में 31 और हिसार में 28 प्रत्याशी हैं, जबकि सबसे कम अंबाला में 14 प्रत्याशी ही चुनावी मैदान में एक दूसरे को टक्कर देंगे। वहीं करनाल विधानसभा अपना पर्चा वापस ले लिया। करनाल विस में महज 9 प्रत्याशियों के बीच ही मुकाबला होगा। चुनाव चिन्ह अलाट होते ही चुनावी दंगल की तस्वीर स्पष्ट हो गई है। प्रत्याशियों ने भी सामने वाले को मात करने के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। चुनाव चिन्ह अलाट होते ही प्रत्याशियों ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनाव प्रचार पर मंथन किया।

राजभवन के संयुक्त सचिव अमरजीत ने ली स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में राजभवन हरियाणा में वीरवार को उनके संयुक्त सचिव अमरजीत सिंह की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के उपलक्ष पर विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अमरजीत सिंह द्वारा सरकार को अपने 26 वर्षों से अधिक की समर्पितभाव एवं निष्ठा से दी गई सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि आप केवल सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्ति को ही सेवानिवृत्ति न समझे बल्कि इसे अपने जीवन की एक नई शुरुआत समझकर जीवन भर समाज के लोगों से जुड़े रहकर समर्पित भाव से समाज सेवा करते रहे। अपने स्वास्थ का ध्यान रखे, किसी प्रकार की चिंता न करे, आनंद से रहे और भगवान पर भरोसा रखें। राज्यपाल हरियाणा ने अमरजीत सिंह से कहा कि समाज सेवा करना बहुत कठिन कार्य है। पहले आपको आदेश देने का अधिकार था अब जनता की सेवा करने के लिए आदेश सुनने, त्याग-तपस्या करने का फर्ज निभाना होगा तथा देश-प्रदेश की सेवा में सदैव अग्रणीय रहना होगा। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, एडीसी अमित यशवर्धन, आईटी सलाहकार बी.ए भानूशंकर, सीडीएच जगननाथ बैंस सहित राजभवन के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

हरियाणा में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाएगा किसान मोर्चा

➪ केंद्र व राज्य सरकार के किसान व ग्रामीण विकास के फैसले लेकर लोगों के बीच जाएंगे

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों को जिताने के लिए भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ता जहां गांव दर गांव जाकर पार्टी उम्मीदवारों के हक में चुनाव प्रचार को गति प्रदान करेंगे, वहीं ऐसे लोगों को समझाने का काम किया जाएगा, जो कांग्रेस, इनेलो और जेजेपी के दबाव में आकर भाजपा उम्मीदवारों की राह में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। भाजपा किसान मोर्चा की ओर से लोगों के बीच तमाम उन कार्यों को लेकर जाया जाएगा, जो केंद्र की मोदी और हरियाणा की मनोर लाल व नायब

सिंह सैनी की सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए किए हैं।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रधान अमित अहलावत डीघल के अनुसार प्रत्येक लोकसभावार ऐसे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है, जो गांवों में जाकर केंद्र व राज्य सरकार के किसान कल्याण के फैसलों की जानकारी देंगे तथा गांवों के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए कामों का रिपोर्ट कार्ड लोगों को सौंपेंगे। इसके लिए हाल ही में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुखविंद्र श्योराण मांढी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूरी कार्य योजना तैयार कर ली गई है।

अमित अहलावत डीघल ने बताया कि रोहतक लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार डा. अरविंद शर्मा के पक्ष में पूरी तरह से माहौल बना हुआ है। इस बार साल 2019 में मिले मतों के मुकाबले कई गुणा अधिक वोटों से डा. अरविंद शर्मा चुनाव जीतने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यही स्थिति करनाल में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को लेकर है, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतने वाले हैं। अमित डीघल स्वयं बेरी विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट के दावेदारों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार की नीतियों का लोगों पर जादू चढ़ा हुआ है, जिसका नतीजा सभी 10 लोकसभा सीटों पर जीत के रूप में सामने आने वाला है।

हरियाणा पुलिस के प्रयासों से 6 वर्ष से लापता लड़की के परिजनों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

चंडीगढ़ (जगमार्ग ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने पिछले 6 साल से प्रयागराज उत्तर प्रदेश से लापता 12 वर्षीय लड़की को उसके परिजनों से मिलवाने में सफलता प्राप्त की है। यह लड़की मानसिक रूप से बीमार है और पिछले 6 साल से लापता थी। इस किशोरी को स्टेट क्राइम ब्रांच की एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट पंचकूला में कार्यरत एएसआई राजेश कुमार की कड़ी मेहनत व संवेदनशीलता की वजह से तलाश किया गया है। इसके लिए पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत व लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

हरियाणा पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को 29 जनवरी 2024 को सूचना प्राप्त हुई कि एक गुमशुदा लड़की जिसकी आयु लगभग 18 वर्ष (वर्तमान आयु) है, नारायणगढ़ स्थित चाइल्ड केअर इंस्टीट्यूट में रह रही है। यह लड़की 6 साल से यमुनानगर बाल कुंज छछरौली में रह रही थी जोकि 21 नवंबर 2019 में रेलवे स्टेशन अंबाला पर लावारिस हालत में मिली थी। इस मामले की जांच एएसआई राजेश कुमार को सौंपी गई। एएसआई राजेश कुमार ने गुमशुदा लड़की से वीडियो कॉलिंग करते हुए उसकी कई बार काउंसलिंग की । चूंकि लड़की मानसिक रूप से बीमार थी तो वह अपने बारे में ज्यादा जानकारी देने में सक्षम नहीं थी। वह केवल बार-बार मुगलसराय नामक एक शब्द बोल रही थी जिसे आधार मानकर गुमशुदा लड़की की पहचान करने के लिए प्रयास शुरू किए गए। इस मामले में हरियाणा सहित उत्तर प्रदेश के पुलिस थानों में भी संपर्क किया गया। इस मामले में लड़की की आवाज की रिकॉर्डिंग करके तथा कई स्थानों पर मिले छोटे-छोटे सुराग से तार जोड़ते हुए उसके परिवार की तलाश की गई। परिवार के सदस्यों ने वीडियो कॉल के जरिए किशोरी को पहचान लिया जिसके बाद गुमशुदा लड़की को उसके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

हुड्डा का जजपा को टूक जवाबः भरोसा नहीं, 10 विधायकों की परेड कराएं दुष्यंत

➪ हुड्डा ने किया अभय चौटाला और बलराज कुंडू का साथ होने का दावा

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्यपाल के बुलावे पर कांग्रेस के 30 विधायकों की चंडीगढ़ राजभवन में परेड कराने का दावा किया है। साथ ही हुड्डा ने आशंका जाहिर की है कि जननायक जनता पार्टी के 10 विधायक एकसाथ नहीं हैं। उन्होंने पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को सलाह दी कि वे अपनी पार्टी के सभी 10 विधायकों को लेकर चंडीगढ़ पहुंचें। पीछे-पीछे कांग्रेस के 30 विधायक, तीनों निर्दलीय विधायक, जिन्होंने कांग्रेस को समर्थन दिया है, इनेलो के अटभय सिंह चौटाला और महम के निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू भी चले आएंगे। 88 सदस्यीय

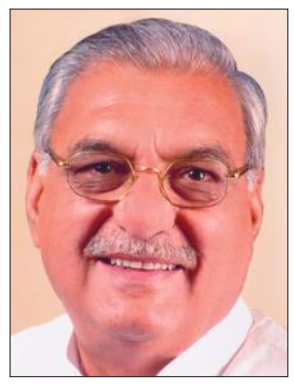

विधानसभा में भाजपा सरकार को बहुमत साबित करने के लिए 45 विधायकों की जरूरत है, लेकिन तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा सरकार से समर्थन वापस ले लेने के बाद नायब सिं सैनी की सरकार अल्पमत में आ गई है। हुड्डा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्ष के साथ 45 विधायक हैं, जबकि सरकार के पास सिर्फ 42 विधायक हैं। इसलिए राज्यपाल को चाहिए कि वह अल्पमत की सरकार को बर्खास्त कर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का काम करें। हुड्डा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जजपा के 10 विधायक एकजुट नहीं हैं। कोई विधायक किसी के साथ है तो कोई कहीं है। यदि दुष्यंत चौटाला को लगता है कि उनकी पार्टी के सभी विधायक एकजुट हैं तो वह अपने सभी 10 विधायकों को चंडीगढ़ लेकर पहुंचें और उनकी परेड कराएं। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हम अपनी पार्टी के विधायकों की परेड कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक दल के उप नेता चौधरी आफताब अहमद और चीफ व्हिप बीबी बतरा ने राज्यपाल से मिलने का समय मांगा है। कांग्रेस विधायक शुक्रवार को राज्यपाल से मिलना चाहते हैं। अब राज्यपाल के ऊपर है कि वे मिलने का समय कब देते हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के साथ इनेलो के विधायक अभय सिंह चौटाला व बलराज कुंडू भी मौजूद हैं।

अभय चौटाला ने भी लिखा राज्यपाल को पत्र

इनेलो के प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने भी राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर हरियाणा प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की। अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने विधानसभा में अपना बहुमत खो दिया है। भाजपा सरकार को तुरंत बहुमत साबित करने के लिए विधानसभा का सत्र बुलाने के लिए कहा जाना चाहिए, ताकि यह साबित हो सके कि उसे अभी भी विश्वास प्राप्त है या नहीं। चौटाला ने कहा कि यदि राज्यपाल को लगता है कि वर्तमान परिस्थितियों में विधानसभा का सत्र बुलाकर विश्वास परीक्षण कराना संभव नहीं है, तो राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं।

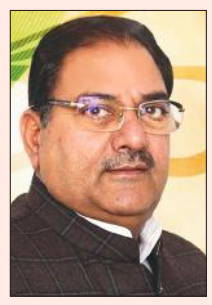

स्कूल सोसायटियों पर एक-एक लाख का नाजायज जुर्माना लगाने पर भड़के स्कूल संचालक

चंडीगढ़ (जगमार्ग ब्यूरो)। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने दी हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ सोसाइटी एक्ट 2012 के तहत सोसाइटी नवीनीकरण के लिए प्राइवेट स्कूल सोसायटी को एक मौका और देने तथा लगाए गए एक-एक लाख रुपये जुर्माने को वापस लेने की मांग की है इस मामले को लेकर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्कूलों को राहत देने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने बताया कि पंजीकृत सोसायटी का वार्षिक शुल्क 700रूपए वार्षिक था जिसे जमा कराने के लिए 2017 से ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की गई थी जिसकी कोई सूचना स्कूल सोसाइटियों को नहीं दी गई वहीं फीस ऑनलाइन न करने का जुर्माना 20 रूपए प्रतिदिन निर्धारित किया गया था। हैरत की बात है कि ये जुर्माना 2013 से लगाया गया जबकि 2017 में ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हुई जिसके कारण यह जुर्माना लगभग एक-एक लाख रुपये बन गया जिसका कोई भी नोटिस या सूचना स्कूलों या समितियो को नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा में हजारों प्राइवेट स्कूल सोसायटी के माध्यम से चलाए जा रहे हैं। दी हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ सोसाइटी एक्ट 2012 के तहत सोसाइटी नवीनीकरण कराया जाना अनिवार्य किया गया था लेकिन कुछ स्कूल सोसायटी यह नवीनीकरण नहीं कर पाए इसको लेकर पदाधिकारी 12 जनवरी 2024 को इस महकमे के जिम्मेदार पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मिले थे उन्होंने इसका समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। प्राइवेट स्कूल संघ ने मांग की कि सरकार प्राइवेट स्कूल सोसाइटियों पर लगाया गया जुर्माना माफ करे व सोसायटी नवीनीकरण के लिए उन्हें एक और मौका दे ताकि वंचित स्कूल अपनी सोसाइटी का नवीनीकरण करा सके।

➪ संघ ने जुर्माना माफ करने व नवीनीकरण के लिए एक और मौका देने की उठाई मांग, सीएम को लिखा पत्र

हरियाणा प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों में शिक्षा की अलख जगा रहा है इग्नू

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(इग्नू) हरियाणा की विभिन्न जेलों में बंद कैदियों को उच्च शिक्षा से जोडक़र उनमें शिक्षा की अलख जगाने का काम कर रही है। जो कैदी 12वीं कक्षा पास कर चुके हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए जेलों में इग्नू द्वारा अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए हैं। अगर कोई बंदी जो स्नातक या किसी अन्य उच्च पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहा है तो जेल में उसके कार्यकाल के दौरान उसकी पढ़ाई और परीक्षा की व्यवस्था इग्नू द्वारा निःशुल्क की जाती है। जेलों में बंद कैदी अपने जीवन के अंधेरे को शिक्षा की रोशनी से दूर करने प्रयास कर रहे हैं। अपराधियों के भविष्य को संवारने के लिए इग्नू के तहत शिक्षा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि अपराधी जेल में बिताए समय का सदुपयोग कर सकें। पिछले तीन वर्षों में हरियाणा की विभिन्न जेलों में अभी तक कुल 792 बंदियों द्वारा सफलतापूर्वक उच्च शिक्षा प्राप्त करने की तरफ अपने कदम बढ़ाये हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में सैकड़ों बंदियों ने प्रवेश लिया है जो अब शिक्षित होकर समाज की मुख्य धारा से जुड़ पाएंगे। बंदी जेल में रहकर अन्य बंदियों को अध्ययन करने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। बंदियों को शिक्षित होने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे सजा भुगतने के बाद यहां से जाकर अपने भविष्य को संवार सकें।

जन्मदिन मुबारक

जगमार्ग परिवार की ओर से संचत को जन्मदिन की बधाई

सालगिरह की शुभकामनाएं

जगमार्ग समाचार की ओर से मुकेश कुमार और ममता चौधरी को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं।

बजट एचकेआरएन के तहत लगे शिक्षकों का बजट जारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मियों का मांगा ब्योरा

एचकेआरएन के तहत शिक्षकों को समय पर मिलेगी तनख्वाह

जगमार्ग ब्यूरो

चंडीगढ़। राजकीय स्कूलों में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत शिक्षकों को समय पर तनख्वाह मिलेगी। शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिए 145 करोड़ का बजट जारी कर दिया गया है। प्रदेशभर में 20 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से चले, इसको लेकर शिक्षा विभाग की ओर से एचकेआरएन के जरिये शिक्षकों को भर्ती किया गया है। एचकेआरएन के तहत भर्ती किए गए शिक्षकों की तनख्वाह लंबे समय से अटकी हुई थी। लिहाजा इस स्थिति को देखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिए एडवांस में बजट जारी कर दिया गया है। सबसे ज्यादा बजट सिरसा को 12 करोड़, करनाल को 11 करोड़ और सबसे कम पंचकूला को 1.50 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।

➪ मिड-डे-मील कुक और हेल्पर की नहीं लगेगी बायोमेट्रिक हाजिरी

चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की सूचना नहीं दे रहे डीईओ

शिक्षा विभाग ने हरियाणा कौशल निगम के जरिये भरे गए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सूचना तलब की है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने जिले में कार्यरत ग्रुप-डी के कर्मियों की सूचना मुख्यालय भिजवाई जाएगी। हालांकि पंचकूला, पानीपत, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी, फरीदाबाद और करनाल को छोड़कर बाकी अन्य जिलों को सूचना देनी होगी। दरअसल, 18 मार्च को शिक्षा विभाग की ओर से सूचना मांगी गई थी, लेकिन जिला स्तर पर मुख्यालय के आदेशों को तरजीह नहीं दी गई। सेकेंडरी शिक्षा निदेशक ने सुस्त कार्यशैली पर जिला अधिकारियों को फटकार लगाते हुए स्पष्ट हिदायत दी है कि निर्धारित प्रोफार्मा के मुताबिक सूचना मुख्यालय भिजवाई जाए। सूचना में देनी होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। मुख्यालय की ओर से प्रोफार्मा के मुताबिक कर्मचारी का नाम, पद, विभाग में कब से कार्यरत है, वर्तमान में कर्मी कहां कार्य कर रहा है और उसकी किसके प्रति जवाबदेही है, यह तमाम सूचना भिजवानी होगी।

जिला	आवंटित राशि	जिला	आवंटित राशि
अंबाला	5 करोड़	कैथल	7 करोड़
भिवानी	7 करोड़	नूंह	17 करोड़
चरखी-दादरी	3.50 करोड़	नारनौल	6 करोड़
फरीदाबाद	3 करोड़	पंचकूला	1.50 करोड़
फतेहाबाद	7.50 करोड़	पानीपत	6 करोड़
गुरुग्राम	3 करोड़	पलवल	3.50 करोड़
हिसार	9.50 करोड़	रोहतक	3.50 करोड़
झज्जर	6 करोड़	रेवाड़ी	5 करोड़
जींद	9 करोड़	सोनीपत	8 करोड़
कुरुक्षेत्र	5 करोड़	सिरसा	12 करोड़
करनाल	11 करोड़	यमुनानगर	6 करोड़

मिड-डे-मील वर्कर और हेल्पर की नहीं लगेगी बायोमेट्रिक हाजिरी

शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेशभर में मिड-डे-मील योजना के अंतर्गत अनुबंध आधार पर कार्यरत कर्मचारियों की बायोमेट्रिक हाजिरी लगाने के आदेश जारी किए थे। इसमें जिला व खंड स्तर पर लेखा कार्यकारी, कार्यक्रम अधिकारी, मानिटरिंग सुपरवाइजर व डाटा एंट्री आपरेटर कर्मी शामिल थे। मगर जिला स्तर पर मिड-डे-मील वर्कर और हेल्पर के बायोमेट्रिक हाजिरी लगाने के फरमान जारी कर दिए गए। इस पर मौलिक शिक्षा निदेशक ने नाराजगी जताते हुए स्पष्ट हिदायत दी है कि मिड-डे-मील वर्कर और हेल्पर की बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं लगेगी और न ही उन पर स्कूलों द्वारा हाजिरी लगाने के लिए किसी तरह का दवाब बनाया जाए। इसके साथ ही यह भी आदेश जारी किए गए हैं कि कुक और हेल्पर खाना बनाने, वितरण और कार्य निपटान के बाद पूरे समय विद्यालय में रहने के लिए बाध्य नहीं है।